Content

वि ष या नु क्र म णि का

अध्याय-1 विषय - प्रवेश 001

उपन्यास : सामान्य परिचय : उपन्यास - एक नयी विधा : उपन्यास की यथार्थ धर्मिता : उपन्यास और मानव जीवन की समस्याएँ : समस्या और देशकाल सापेक्षता : युग बोध : (सन 1960-80) : सामाजिक स्थिति : राजनीतिक स्थिति : धार्मिक स्थिति : औद्योगीकरण और उसके सामाजिक प्रभाव : औद्योगिक क्रांति : भारत में औद्योगिक विकास : औद्योगीकरण के सामाजिक प्रभाव एवं उससे उत्पन्न समस्याएँ : :1: पूजीवाद का जन्म :2: बेकारी :3: कुटीर उद्योगों का ह्रास :4: परावलंबन :5: आवास की समस्या :6: प्रदूषण की समस्या :7: स्वास्थ्य की समस्या :8: सामुदायिक भावना का ह्रास :9: व्यक्तिगत भावना का विकास :10: सामाजिक विघटन एवं अपराध, नगरीकरण और उसके सामाजिक प्रभाव : नगरीकरण की प्रक्रिया (Urbanization) : भारत में नगरीकरण : नगरीकरण के प्रभाव एवं समस्याएँ — (1) पारिवारिक समस्याएँ (2) स्वास्थ्य की समस्या (3) जातिप्रथा एवं नगरीकरण (4) अपराध एवं नगरीकरण (5) व्यक्तिवाद एवं सामाजिक विघटन (6) मनोरंजन एवं नगरीकरण (7) मकानों की समस्या (8) व्यवहार की कृत्रिमता (9) नगरीकरण के अन्य प्रभाव : निष्कर्ष : सन्दर्भ ।

नगरीय परिवेश : उपन्यासमें समस्या-निरूपण की परम्परा :

वर्गीकरण :

:।: आद्यन्त नगरीय परिवेश के उपन्यास :

§।§ सारा आकाश §।960§,
§2§ अजय की डायरी §।960§,
§3§ अन्धेरे बन्द कमरे §।96।§,
§4§ अपने अपने अज़नबी §।96।§,
§5§ पचपन खम्भे लाल दीवारें §।96।§,
§6§ बड़ी चम्पा-छोटी चम्पा §।96।§,
§7§ शहर में घूमता आईना §।963§,
§8§ अनदेखे अनजान पुल §।963§,
§9§ कथा-सूर्य की नयी यात्रा §।964§,
§।0§ रेखा §।964§,
§।।§ लौटती लहरों की बाँसुरी §।964§,
§।2§ वे दिन §।964§,
§।3§ एक कटी हुई जिन्दगी : एक कटा हुआ कागज़ §।965§,
§।4§ अठारह सूरज के पौधे §।965§,
§।5§ बैसाखियोंवाली इमारतें §।966§,
§।6§ मछली मरी हुई §।966§,
§।7§ रूकोगी नही···राधिका ? §।967§,
§।8§ एक पति के नोट्स §।967§,
§।9§ किस्सा नर्मदाबेन गंगूबाई §।967§,
§20§ डाक बंगला §।968§,
§2।§ कृष्ण कली §।969§,
§22§ कड़ियाँ §।970§,
§23§ आपका बण्टी §।97।§,
§24§ टेराकोटा §।97।§,
§25§ सूरजमुखी अन्धेरे के §।972§,
§26§ बे घर §।972§,
§27§ प्रश्न और मरीचिका §।973§,
§28§ तमस §।973§,
§29§ मुरदाघर §।974§,
§30§ छाया मत छूना मन §।974§,

§31§ यह भी नहीं §1975§,
§32§ अपने लोग §1976§,
§33§ नंगा शहर §1977§,
§34§ कोहरे §1977§,
§35§ कोरज़ा §1977§,
§36§ कुमारिकाएँ §1978§,
§37§ चित्त कोबरा §1979§,
§38§ कुरू कुरू स्वाहा §1980§,
§39§ कोई तो §1980§ ।

:2: मिश्रित परिवेश वाले उपन्यास :

§1§ नदी फिर बह चली §1961§,
§2§ अग्र तारा §1963§,
§3§ काला जल §1965§,
§4§ आधा गाँव §1966§,
§5§ राग दरबारी §1966§,
§6§ इमरतिया §1968§,
§7§ सबहिं नचावत राम गोसाई §1970§,
§8§ साँप औसीढ़ी §1971§,
§9§ काँचघर §1971§,
§10§ दिल एक सादा कागज़ §1973§,
§11§ महाभोज §1979§ ।

:3: अन्य नगरीय परिवेश के उपन्यास :

§1§ शहर था शहर नहीं था §1966§,
§2§ दूसरी बार §1968§,
§3§ यात्राएँ §1971§,
§4§ लोग §1966§,
§5§ अन्तराल §1972§,
§6§ कुछ जिन्दगियाँ बेमतलब §1969§,
§7§ महानगर की मीता §1969§,
§8§ यह पथ-बन्धु था §1966§,
§9§ किसलिए §1970§,
§10§ एक चूहे की मौत §1971§,
§11§ अमृत और विष §1966§,
§12§ अपना मोर्चा §1972§,

§13§ एक पंखड़ी की तेज़ धार §1965§,
§14§ सीमाएँ टूटती है §1973§,
§15§ मुक्तिबोध §1974§,
§16§ लाल पीली ज़मीन §1976§,
§17§ रातका सफ़र §1976§,
§18§ आगामी अतीत §1976§,
§19§ टोपी शुक्ला §1977§,
§20§ पल्टू बाबू रोड़ §1979§,
§21§ तीसरा आदमी §1964§,
§22§ छोटे छोटे पक्षी §1979§,
§23§ सफेद घोड़ा काला सवार §1976§,
§24§ छोटे-छोटे महायुद्ध §1977§,
§25§ गोबर गणेश §1978§,
§26§ टूटते बिखरते लोग
§27§ रामकली §1978§,
§28§ इन्द्र सुनें §1979§,
§29§ सूर्य-ग्रहण §1979§,
§30§ काँच का आदमी §1979§,
§31§ टूटे हुए सूर्य-बिम्ब §1980§ ।

:4: कुछ अन्य उल्लेखनीय उपन्यास :

निष्कर्ष : सन्दर्भ ।

अध्याय-3 सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याएँ 211

व्यक्तिवादी चेतना और पारिवारिक विघटन : प्रेम-विषयक विभावना में परिवर्तन : स्त्री-पुरूष सम्बन्धों में बदलाव एवं विघटन : नैतिक मूल्यों का पतन : व्यापक भ्रष्टाचार : जातिवाद की समस्या : कौमी - समस्या : मध्यवर्गीय प्रदर्शन प्रियता : उच्चवर्गीय खोखलापन : शिक्षित अविवाहित महिलाओं की समस्या : खण्डित दाम्पत्य - जीवन की समस्या : बच्चों की त्रिशंकु-सी अवस्था : दहेज की समस्या : स्त्रियों पर होनेवाले अत्याचार की समस्या : युवा-आक्रोश : निष्कर्ष : सन्दर्भ ।

अध्याय-4 आर्थिक समस्याएँ 262

प्रारंभिक : गरीबी की समस्या : बेकारी की समस्या : आवास की समस्या : बाल-अपराध की समस्या (juvenile Delinquency) : अपराध (Crime) की समस्या : वेश्यावृत्ति (Prostitution) की समस्या : जुआ, मद्यपान एवं मादक द्रव्यों के व्यसन की समस्या : अर्थाभाव के कारण अपनी अभिरुचि के विपरीत व्यवसाय के चुनाव की समस्या : निष्कर्ष : सन्दर्भ ।

अध्याय-5 मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निरूपण 305

प्रारंभिक : नगरीय परिवेशमें मनोवैज्ञानिक ग्रन्थियों का आधिक्य : खण्डित दाम्पत्य जीवन की समस्या :
सैक्स-जनित कुण्ठाएँ एवं विकृतियाँ —

(1) जातीय ठण्डापन (Frigidity)
(2) स्त्री-समलैंगिकता (Lesbianalism)
(3) नपुसकता (Impotence)
(4) सम-लैंगिकता (Homosexuality)
(5) हस्तमैथुन (Masturbation)
(6) पशु मैथुन (Bestiality)
(7) जातीयवृत्तिका आधिक्य (erotomania)

मनोवैज्ञानिक ग्रंथियों का मानव-जीवन पर प्रभाव

(1) लघुता ग्रंथि (Inferiority Complex)
(2) श्रेष्ठता ग्रंथि (Superiority Complex)
(3) बद्धत्व ग्रंथि (Fixation)
(4) इलेक्ट्रा और इडिपस ग्रंथि
(5) सादवादी प्रवृत्ति (Sadism)
(6) मासोकवादी प्रवृत्ति (Masochism)

नगरीय जीवन में व्याप्त अजनबीपन (Alienation)

निष्कर्ष - सन्दर्भ ।

अध्याय-6 राजनीतिक, साहित्यिक एव शैक्षणिक समस्याएँ 355

प्रारंभिक : राजनीतिक समस्याएँ –

§1§ अयोग्य एवं भ्रष्ट लोगों का राजनीतिमे प्रवेश
§2§ राजनीति-एक-व्यवसाय
§3§ सत्ताका हस्तान्तरण
§4§ चुनाव हथकण्डे
§5§ सत्ताकी राजनीति : साहित्यिक
समस्याएँ : शैक्षणिक समस्याएँ :
निष्कर्ष : सन्दर्भ ।

अध्याय-7 उ प सं हा र 387

सहायक ग्रंथ सूची : 399

:1: परिशिष्ट-1 : आलोचनात्मक ग्रंथ तथा
अन्य पुस्तकें
:2: परिशिष्ट-2 : आलोच्य उपन्यासों की सूची
:3: परिशिष्ट-3 : अंग्रेजी सहायक ग्रंथो की सूची
:4: परिशिष्ट-4 : पत्र-पत्रिकाएँ

xxx